085/X/SA2/41/A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सही उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए। **1x5=5**

यह युग एक प्रकार से पैसे का युग है। चारों ओर धन की ही पुकार मची हुई है। फिर भी किसी गरीब लेखक तथा विद्वान व्यक्ति का करोड़पतियों से अधिक आदर होता है। धन हमेशा ही बुरी आदतों को प्रोत्साहित करता है। धन लोलुप व्यक्ति की सफलता हज़ारों को दुख और विषाद में डाल देती है। बुद्धि की दुनिया में सफलता से समाज की उन्नति में सहायता मिलती है। धनी धन के घमंड में अपना चरित्र खो बैठता है और धनहीन उसे ही अपना सब कुछ समझकर अपनाता है। चरित्रवान पुरुष चरित्र को ईश्वर का एक आदेश मानता है और धन-संचय या लाभ-हानि की चिंता किए बिना निस्वार्थ भाव से अपने कार्य करता है। इसीलिए हम सब चरित्रवान पर भरोसा करते हैं। संसार में विजय पाने के लिए चरित्र बड़ा मूल्यवान साधन होता है। चरित्र के मार्ग पर चलनेवाला आदमी ही सच्चे अर्थों में महान होता है। संसार में जिसका देवता सुवर्ण होता है उसका हृदय प्राय: पत्थर का हो जाता है। उसको दूसरों के आँसू पोंछने में विश्वास नहीं होता। वह दूसरों को मिटाकर बनता है, दूसरों के घर गिराकर अपना घर बनाता है। उसकी नस-नस में लोभ भरा होता है। संसार में ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है जो स्वार्थ के लिए नहीं, परमार्थ के लिए जीवित रहते हैं। जो धन के लिए स्वाभिमान नहीं बेचते। जिनकी अंतरात्मा एक दिशा-सूचक यंत्र की सूई के समान एक शुभ नक्षत्र की ओर ही देखा करती है। जो अपने समय, शक्ति और जीवन को दूसरों के लिए देश, जाति और समाज के लिए अर्पित कर देते हैं। ऐसे ही आदमियों का चरित्र महान होता है।

(क) आधुनिक युग को 'पैसे का युग' क्यों कहा गया है?

(i) रुपये पैसे का अधिक चलन होने के कारण

(ii) भौतिक सुख-सुविधाओं की बढ़ती चाहत के कारण

(iii) पैसे कमाने के लिए अनेक अवसर होने के कारण

(iv) चारों ओर धन की पुकार होने के कारण

(ख) 'बुद्धि की दुनिया' में कौन लोग आते हैं?

(i) समाज के सभी लोग (ii) पुस्तक विक्रेता और प्रकाशक

(iii) लेखक, विचारक (iv) प्रशासक और नेता

(ग) चरित्रवान समाज के लिए उपयोगी होता है, क्योंकि वह :

(i) स्वार्थी प्रवृत्ती अपनाता है। (ii) निस्वार्थ भाव से कार्य करता है।

(iii) लाभ-हानि की चिंता करता है। (iv) अपना हित साधकर चलता है।

(घ) 'संसार में जिसका देवता सुवर्ण होता है' - कथन का आशय है -

(i) धन संपदा को ईश्वर माननेवाला (ii) गोरा रंग पसंद करने वाला

(iii) सोने की बनी मूर्ति का पुजारी (iv) सोना पसंद करनेवाला

(ङ) 'शुभ नक्षत्र की ओर' से किस ओर संकेत है?

(i) दूसरों का हित करने की ओर

(ii) देश-जाति और समाज के कल्याण की ओर

(iii) अपना समय और शक्ति परमार्थ में लगा देने की ओर

(iv) उपर्युक्त सभी

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

प्राचीन काल में शनि को अमंगलकारी ग्रह समझ लिया गया था। सुनी-सुनाई बातों के आधार पर लोगों में इस ग्रह के बारे में अनेक भ्रांतियाँ फैलती चली गईं। यह ग्रह अत्यंत मंदगति से सूर्य के चारों ओर करीब तीस वर्ष में एक चक्कर पूरा करता है। शनि का दिन हमारे दिन से छोटा होता है। शनि अत्यंत ठंडा ग्रह है। शनि के वायुमंडल का तापमान शून्य से 150° सेंटीग्रेड नीचे रहता है। अत: यहाँ जीवन संभव नहीं है। वैज्ञानिक खोजों के आधार पर शनि के उपग्रहों की संख्या सत्रह मानी गई है। शनि का सबसे बड़ा चंद्र टाइटन है। यह उपग्रह हमारे उपग्रह चंद्रमा से काफ़ी बड़ा है।

टाइटन की अद्‌भुत चीज़ इसका वायुमंडल है। इसके वायुमंडल में मीथेन गैस पर्याप्त मात्रा में है। इसपर मीथेन, पानी की तरह मानी जा सकती है। शनि को दूरबीन से देखा जाए तो इसके चारों ओर अनेक वलय या घेरे दिखाई देते हैं। इन वलयों या कंकणों से इसकी सुंदरता काफ़ी बढ़ जाती है। इन वलयों की खोज गैलीलियों ने की थी। नई खोजों के आधार पर सौरमंडल के कई ग्रहों के वलयों की खोज हो चुकी है। शनि जितने सुंदर और स्पष्ट वलय किसी ग्रह के नहीं है।

(क) शनि ग्रह की सुंदरता का कारण है -

(i) इसका सबसे छोटा होना (ii) चारों ओर चमकते घेरे होना

(iii) सबसे अलग होना (iv) इसका सूर्य के समीप होना

(ख) शनि पर जीवन संभव नहीं है, क्योंकि -

(i) वह बहुत धीरे चलता है (ii) बहुत गर्मी है

(iii) वहाँ बहुत ठंड है (iv) बहुत अँधेरा है

(ग) धरती का उपग्रह है

(i) बुध (ii) शनि (iii) चंद्रमा (iv) सूर्य

(घ) मीथेन गैस को किसके समान माना गया है?

(i) अग्नि (ii) पानी (iii) मिट्‌टी (iv) रोशनी

(ङ) शनि के वलयों की खोज करने वाले वैज्ञानिक -

(i) आईंस्टाइन (ii) न्यूटन (iii) सी.वी.रमन (iv) गैलीलियो

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

मेरे अंदर एक देश बसता है
ज़िंदगी से हारकर जब उदास होता है वह
प्यार देता है, दुलार देता है
अपनी बाँहों में कसता है।

मेरे अंदर एक पर्वत है
जिसकी चोटी नभ को चूमती है
जिसकी नस-नस अपनत्व के नशे में झूमती है।

मेरे अंदर कुछ पवित्र नदियाँ हैं
जो धरती के कोरे पन्नों पर
लिखती हैं नित नए प्यार के गीत,
जागो, जागो, जागो ओ मेरे मीत !

मेरे अंदर मंदिर है, मसजिदें हैं, गिरजे हैं

भगवान की नजर में सभी प्यारे हैं

अनेक होकर भी सबका ध्येय है एक

वे कितने न्यारे हैं।

मेरे अंदर एक सभ्यता है, एक संस्कृति है

जो जीने की राह बताती है

सदियों पुरानी होकर भी, अमर-नवीन कहलाती है

स्कूल-कॉलेज-अस्पताल, कल-कारखाने-खेत,

नहरें बाँध-पुल हैं, जहाँ श्रम के फूल खिलते हैं

और एक अरब लोग एक दूसरे के गले मिलते हैं।

(क) कविता का उपयुक्त शीर्षक होगा -

(i) अनेकता में एकता (ii) आर्थिक समानता

(iii) भावों का वैशिष्ट्य (iv) एक सभ्यता

(ख) देश प्यार कब देता है?

(i) जब हम उसके लिए कुछ करते हैं।

(ii) जब हम ज़िंदगी से हारकर उदास हो जाते हैं।

(iii) जब हम देश की आलोचना करते हैं।

(iv) जब हम देश में बने रहते हैं।

(ग) 'जिसकी नस-नस अपनत्व के नशे में झूमती है' - इसका अर्थ है

(i) अपनत्व से लोग कोसों दूर हैं।

(ii) लोगों में अपनत्व, प्रेम और विश्वास की भावना है।

(iii) लोगों के विचार भिन्न हैं।

(iv) आपसी प्रेम नहीं है।

(घ) हमारी संस्कृति की क्या विशेषता है?

(i) अनेकता में समझौता (ii) एकता में मेल-मिलाप

(iii) अनेकता में एकता (iv) एकता में अनेकता

(ङ) 'वे कितने न्यारे हैं' का अर्थ है -

(i) जो अलग-अलग हैं। (ii) जो एकांत में रहते हैं।

(iii) जिनका ध्येय अलग है। (iv) जिनकी तुलना नहीं की जा सकती।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए। **1x5=5**

घूम रहा कालचक्र
अनंत, अनादि काल से
आओ, हम इसकी गति-मति जानें
आओ इसकी रीति-नीति पहचानें।

समय की दस्तक के पहले जागें
दस्तक न दे यह बार-बार
जीवन में बस एक - दो बार
उसी के साथ समय की बयार
जो रहे इस हेतु सुसज्ज तैयार।

समय बीतता ही जाए,
किसी की पकड़ मे न आए
तभी किसी ने कहा
जीवन में वर्ष न भरो,
वर्षों में जीवन भर दो,
जो भी काम सँभालो,
उसमें जीवन डालो।

इसी से वर्षों में जीवन
जीवन में हरियाली
हरियाली से सुषमा,
हमारे-तुम्हारे जीवन की।

(क) इस पद्यांश में किसके साथ चलने का संदेश दिया गया है?

(i) जीवन के साथ (ii) समय के साथ
(iii) हरियाली के साथ (iv) सुषमा के साथ

(ख) इस जीवन में क्या परिवर्तनशील है?

(i) समय (ii) वर्ष (iii) रीति-नीति (iv) कालचक्र

(ग) समय किसका साथ देता है?

(i) परिश्रमी का (ii) हरियाली का (iii) जीवन का (iv) वर्ष का

(घ) 'जीवन में वर्ष न भरो, वर्षों में जीवन भर दो' - का भाव है -

(i) जीवन के वर्ष न गिनो
(ii) वर्षों की गिनती निरर्थक है
(iii) जीवन जितना भी मिले उसे कृतार्थ कर दो
(iv) वर्षों में जीवन व्यतीत कर दो

(ङ) 'बयार' शब्द का अर्थ है -

(i) तूफ़ान (ii) वर्षा (iii) हवा (iv) आँधी

खंड 'ख'

5. (i) अपने साथ दूसरों को भी धीरे-धीरे बाहर निकाल दिया। रेखांकित पदबंध है। **1**

(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

(ii) मुसीबत में साथ देनेवाले मेरे दोस्त थे। रेखांकित पदबंध है - **1**

(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

(iii) युवती झुँझला उठी। रेखांकित का पद परिचय है - **1**

(क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग

(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग

(घ) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग

(iv) गंगा पवित्र नदी है। रेखांकित का पद परिचय है - **1**

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग एकवचन

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, विशेषण

(ग) जातिवाचक संज्ञा, वर्तमानकाल, स्त्रीलिंग

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, अन्य पुरुष

6. (i) ''आप वहीं रुकिए और कार्य समाप्त कीजिए''- ये रचना के आधार पर वाक्य का भेद है - **1**

(क) संयुक्त वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य (घ) आश्रित वाक्य

(ii) 'मुझे पता था कि नेताजी काम नहीं करेंगे।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए - **1**

(क) सरल (ख) संयुक्त (ग) मिश्र (घ) साधारण

(iii) निम्नलिखित में मिश्रवाक्य है - **1**

(क) यहाँ बहुत आदमी चोट खाकर आए है और उनकी हालत गंभीर है।

(ख) चोट खाकर आए अनेक लोगों की हालत गंभीर है।

(ग) जो आदमी यहाँ चोट खाकर आए हैं उनमें से अनेक की हालत गंभीर है।

(घ) चोट खाकर आए आदमियों की हालत गंभीर है।

(iv) 'नतीजा सुनाया गया। वे ज़ोर-ज़ोर से रो पड़े।' का संयुक्त वाक्य है - **1**

(क) नतीजा सुनाया गया और वे जोर जोर से रो पड़े।

(ख) जब नतीजा सुनाया गया तब वे ज़ोर-ज़ोर से रो पड़े।

(ग) जैसे ही नतीजा सुनाया गया, वे रो पड़े।

(घ) वे रो पड़े क्योंकि उन्हें नतीजा सुनाया गया था।

7. (i) 'योगेश्वर' का संधि विच्छेद है - 1

(क) योगा + ईश्वर (ख) योग + ईश्वर

(ग) योगी + ईश्वर (घ) योग + एश्वर

(ii) 'महा + उदय' की संधि है - 1

(क) महोदय (ख) महूदय (ग) महौदय (घ) महाउदय

(iii) 'मनगढ़ंत' समस्त पद का विग्रह है - 1

(क) मन से गढ़ा (ख) मन में गढ़ा

(ग) मन का गढ़ा (घ) मन है गढ़ंत

(iv) 'स्वर्णकमल' में समास का भेद है 1

(क) द्वंद्व (ख) कर्मधारय (ग) द्विगु (घ) तत्पुरुष

8. (i) 'मत्थे मढ़ना' का अर्थ है - 1

(क) जबरदस्ती लाद देना (ख) माथा फोड़ना

(ग) सिर फोड़ना (घ) माथे से माथा टकराना

(ii) परीक्षा में आशा से बहुत कम अंक मिलने पर मैं ..... गया। उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। 1

(क) दिल मसोस कर रह जाना (ख) हाथ मसलकर रह जाना

(ग) दिल खोलकर रहना (घ) मुँह खोलकर रह जाना

(iii) 'आँखें फोड़ना' मुहावरे का अर्थ है - 1

(क) रातभर पढ़ना (ख) आँख में फोड़ा होना

(ग) आँख फूटना (घ) पिटाई करना

(iv) 'जान है तो जहान है' लोकोक्ति का अर्थ है - 1

(क) जीवन रहेगा तभी तो सब कुछ मिलेंगे।

(ख) जीवन सबसे अधिक मुल्यवान है।

(ग) जीवन है तो दुनिया है।

(घ) जीवन में सुविधाएँ मिलती है।

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - 1

(क) मैं ग्रह-कार्य कर लिया हैं। (ख) मैनें गृह कार्य करा है।

(ग) मेरे से ग्रह-कार्य हो (घ) गयीमैंनेहैगृह-कार्य कर लिया है।

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - 1

(क) क्या आपने समाचार सुना है? (ख) भीष्म आजीवन अविवाहित रहे।

(ग) सभा में अनेक लोग उपस्थित थे। (घ) पिताजी हवाई जहाज़ पर आएँगे।

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - 1

(क) उसके घर में चोरी हो गई है। (ख) वह मुझे बताया था।

(ग) आप कब आओगे। (घ) तुम तुम्हारी पुस्तक पढ़ो।

(iv) अशुद्ध वाक्य पहचानिए **1**

(क) आप इतनी रात गए कहाँ से आ रहे हो !

(ख) आप इतनी रात को कहाँ जाएँगे ?

(ग) आप जैसे सज्जन व्यक्ति को यहीं रहना चाहिए।

(घ) आपको एक फूलों की माला देना चाहती हूँ।

खंड 'ग'

10. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प छाँटकहर लिखिए।

उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती ;
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।
अखंड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) 'उदार' शब्द का अर्थ है। **1**

(क) दानशील (ख) बिना मूल्य दिए खरीदना

(ग) सरलता स ` माँगना (घ) परोपकारी

(ii) सरस्वती किसका बखान करती है? **1**

(क) जो केवल अपने लिए कार्य करता है।

(ख) जो अपना अहित कर दूसरों का हित करता है।

(ग) जो पूरे संसार को अपना मानता है।

(घ) जो मनुष्यों से पशुवत व्यवहार करता है।

(iii) संपूर्ण विश्व में एकता की भावना कैसे स्थापित होती है? **1**

(क) मिलजुलकर रहने से

(ख) आत्मविश्वास होने से

(ग) दूसरों का हित करते रहने से

(घ) 'हम एक हैं' की भावना दूसरों में भरने से

(iv) 'अखंड आत्मभाव' का अर्थ है - **1**

(क) सबको अपने ही समान समझना

(ख) अपनत्व, प्रेम सौहार्द की भावना का संचार करना

(ग) उदारतापूर्ण व्यवहार करना

(घ) तीनों सही हैं

(v) कवि के अनुसार वास्तव में मनुष्य कौन है? **1**

(क) जो उदार है (ख) जो दूसरों के लिए प्राण देता है

(ग) जिसमें आत्मभाव है (घ) जिसका वर्णन सरस्वती करती है।

अथवा

मेरा भार अगर लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही
केवल इतना रखना अनुनय–
वहन कर सकूँ इसको निर्भय।
नत शिर होकर सुख के दिन में
तव मुख पहचानूँ छिन–छिन में।
दुख–रात्रि में करे वंचना मेरी जिस दिन निखिल मही
उस दिन ऐसा हो करुणामय,
तुम पर करुँ नहीं कुछ संशय।।

(i) अपने 'भार' के बारे में कवि की प्रार्थना क्या है – **1**

(क) भार कम कर दो (ख) भार रहने ही न दो
(ग) भार दूसरों को उठाने दो (घ) भार उठाने की शक्ति दो

(ii) सुख के दिनों में कवि क्या चाहता है ? **1**

(क) ईश्वर को न भूले (ख) मित्रों से मेलजोल रखे
(ग) मुख देखकर सबको पहचाने (घ) यथोचित व्यवहार करे

(iii) 'दुख–रात्रि' का क्या अर्थ है? **1**

(क) दुख और रात्रि (ख) दुख या रात्रि
(ग) दुख रूपी रात्रि (घ) रात्रि में दुख

(iv) जब सब लोग दुख बढ़ाएँ और ठगें तो कवि चाहता है कि – **1**

(क) ईश्वर उसकी सहायता करे (ख) वह ईश्वर की प्रार्थना करे
(ग) उसे ईश्वर पर विश्वास बना रहे (घ) ईश्वर को उस पर विश्वास रहे

(v) कविता का मुख्य स्वर है – **1**

(क) स्वाभिमान और आत्मविश्वास (ख) दुख और वंचना
(ग) अनुनय–विनय (घ) भक्त और भगवान

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – **2.5+2.5=5**

(क) येल्दीरीन ने ख्यूक्रिन को दोषी ठहराते हुए क्या कहा?

(ख) 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर बताइए कि शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?

(ग) कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?

(घ) प्रकृति के असंतुलन का क्या परिणाम हुआ है? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

12. 'शुद्ध सोने में ताँबे की मिलावट या ताँबे में सोना' – गांधीजी के आदर्श और व्यवहार के संदर्भ में यह बात किस तरह झलकती है? स्पष्ट कीजिए। **5**

अथवा

वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया? वज़ीर अली के चरित्र की दो विशेषताएँ भी बताइए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था। अब टुकड़ों में बाँटकर एक दूसरे से दूर हो चुका है।

(क) दुनिया कैसे वजूद में आई - इस विषय में विज्ञान और धर्मग्रंथों की क्या राय है? **2**

(ख) 'धरती किसी एक की नहीं है' - ऐसा लेखक ने क्यों कहा है? **2**

(ग) बड़ी-बड़ी दीवारें किसने खड़ी कर दी हैं? **1**

अथवा

शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने जैसे ही होते है। चंद लोग उसमें व्यावहारीकता का थोड़ा सा ताँबा मिला देते हैं और चलाकर दिखाते हैं। तब हम लोग उन्हें 'प्रैक्टीकल आइडियालिस्ट' कहकर उनका बखान करते हैं। पर यह न भूलें की बखान आदर्शों का नहीं होता, बल्कि व्यावहारिकता का होता है और ज
लगता है, तब 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते है और उनकी व्यावहारिकता सूझ-बूझ ही आगे आने लगती है।

सोना पीछे रहकर तांबा ही आगे आता है।

(क) 'शुद्ध सोना और गिन्नी का सोना अलग है।' कैसे? **2**

(ख) प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहा जा सकता है? **1**

(ग) जीवन में आदर्श और व्यावहारिकता की क्या भूमिका है? **2**

14. (क) 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है? **2**

(ख) कवि कोई सहायक न मिलने पर ईश्वर से क्या प्रार्थना करता है? **2**

(ग) छाया भी कब छाया ढूँढ़ने लगती है? **1**

15. टोपी शुक्ला के स्वभाव की तीन विशेषताएँ बताइए। **3**

अथवा

'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों?

16. इफ़्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाईं? **2**

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **100** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : **5**

(क) दुर्लभ होता है अच्छा मित्र

- अच्छा मित्र कौन
- क्यों होता है दुर्लभ
- कैसे करें चुनाव

(ख) बीस-बीस क्रिकेट का रोमांच

- क्या है बीस-बीस क्रिकेट
- लोकप्रिय क्यों है
- इसका भविष्य

(ग) मोबाईल फोन : सुविधा या असुविधा

- आवश्यक अंग
- ढ़ेरों सुविधाएँ
- सावधनियाँ

18. रेल यात्रा में सामान चोरी हो जाने की घटना का विवरण देते हुए रेल्वे पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

अपने प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर पुस्तकालय में हिंदी कहानियों और कविताओं की अधिक पुस्तकों के प्रबंध के लिए आग्रह कीजिए।

- o 0 o -